व्याकरण विभाग

वेद वेदांग संकाय के अन्तर्गत संचालित व्याकरण विभाग में प्राचीन परम्परा के साथ आधुनिक संदर्भ में व्याकरण शास्त्र को लोकोपयोगी बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पाणिनि व्याकरण को अष्टाध्यायी क्रम और नवीन पद्धति के आधार पर प्रायोगिक रूप से अध्यापन में लाया जा रहा है। कम्प्यूटर से संस्कृत अनुवाद प्रक्रिया, आधुनिक भाषा के संस्कृत से अंतःसम्बन्ध तथा व्याकरण के गणितीय अध्ययन पर विशेष कार्य किया जा रहा है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए व्याकरण की पृथक् अध्ययन व्यवस्था विद्यार्थियों के लिए की जा रही है। संस्कृत बोलने तथा लिखने में विद्यार्थियों का कौशल बढ़ाने के लिए संस्कृत संभाषण शिविर विभाग द्वारा लगाये जा रहे हैं। भाषागत प्रक्रियात्मक एवं दार्शनिक व्यापकता के कारण प्रसिद्ध संस्कृत व्याकरण का भाषाशास्त्रीय एवं विभिन्न भाषा-परिवारों के निकट सम्बन्धों के अध्ययन से विश्व में फैले हुए भिन्न-भिन्न मानव प्रजातियों में एकात्मकता के सूत्रों का अन्वेषण कर मानवशास्त्रीय अध्ययन हेतु सुदृढ़ पीठिका तैयार की जा रही है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में अध्यापन कार्य सीबीसीएस पाठयक्रम तथा ऑनलाइन के माध्यम से भी कराया जायेगा।

व्याकरण विभाग की भावी कार्य योजनाएं

व्याकरणविभाग में शैक्षणिक-सत्र 2020-2021 में प्रविष्ट छात्रों के लिए एवं विभागीय शैक्षणिक गतिविधि को प्रभावी बनाने हेतु भावी योजना निम्नानुसार हैं -

1. अगस्त के द्वितीय सप्ताह से प्रविष्ट छात्रों हेतु संस्कृत संभाषण में दक्षता हेतु पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन।, 2. प्रतिमाह छात्रों के शास्त्रीय विषय के विषय-विशेष के ऊपर छात्रों के द्वारा भाषण वाद विवाद सूत्रान्ताक्षरी आदि साहित्यिक गतिविधियों का संचालन।, 3. छात्रों को शास्त्रीय विषय के उद्घोषण हेतु विभागीय प्राध्यापकों द्वारा क्रमशः पाक्षिक व्याख्यान का आयोजन।, 4. सम्पूर्ण सत्र में व्याकरणविभागीय राष्ट्रिय अन्ताराष्ट्रिय सेमिनार का व्याख्यानमाला का आयोजन।, 5. छात्रों के विभिन्न प्रकृतियों को विकसित करने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन।

आचार्यगण

डॉ. दयाराम दास
विभागाध्यक्ष
9928295878

डॉ. राजधर मिश्र
सह आचार्य
9314568823

डॉ. प्रमोदकुमार शर्मा
सह आचार्य
8107005008

डॉ. शशिकुमार शर्मा
सहायक आचार्य
9828322255